इस साल का साहित्य का नोबेल पुरस्कार फ्रांसीसी लेखिका एनी एरनॉक्स को दिया गया है। नोबेल कमेटी ने बताया कि, 82 वर्षीय एरनॉक्स बहुत आसान भाषा में गंभीर मुद्दों पर बात करती हैं। उनके लेखन में साहस के साथ संवेदना भी खुलकर नज़र आती है। उन्होंने हर वर्ग और तबके को अपने लेखन में समेटा है। रॉयल स्वीडिश अकैडमी ऑफ साइंसेज़ के स्थायी सचिव मैट माल्म ने 6 अक्टूबर को स्वीडन के स्टॉकहोम शहर में विजेता की घोषणा की। एनी ने करीब 40 किताबें लिखी हैं, इनमें से 90 फ्रेंच भाषा में हैं। कुछ का अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है। इनमें पैशन सिम्पल, हैपनिंग, अ फ्रोज़न वुमन, डू वॉट दे से ऑर एल्स, ला प्लेस, द इयर्स आदि शामिल हैं। उन्होंने कई फिल्मों की कहानी भी लिखी है। अपनी कुछ पुस्तकों में एनी ने अपने बचपन के लेखों को शामिल किया है। एनी एरनॉक्स ने अपने लेखन की शुरुआत 1974 में एक आत्मकथात्मक उपन्यास, ले आरमोआर वाइड्स (क्लीन्ड आउट) से की थी। सन् 1984 में उन्होंने अपनी एक अन्य रचना, ला प्लेस (ए मैन्स प्लेस) के लिए रीनॉडॉट पुरस्कार जीता था। यह पुस्तक उनके पिता के साथ उनके संबंधों और फ्रांस के एक छोटे से शहर में बड़े होने के उनके अनुभवों और आगे बढ़ने की उनकी प्रक्रिया पर केंद्रित थी। एनी को साहित्य के नोबेल पुरस्कार के लिए करीब 8 करोड़ रुपये मिलेंगे।

राहुल गांधी ने सड़क पर माँ सोनिया गांधी के जूते के फीते बांधे

सोनिया कर्नाटक के मांड्या जिले में पदयात्रा में शामिल होकर दो घंटे पैदल चलीं

■ **राहुल गांधी और कांग्रेस के कई अन्य नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने गत सात सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से 'भारत जोड़ो यात्रा' की शुरुआत की थी। इन दिनों यह यात्रा कर्नाटक में है।**

मांड्या(कर्नाटक), 6 अक्टूबर। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी बृहस्पतिवार को यहां भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुईं और राहुल गांधी तथा अन्य भारत यात्रियों के साथ पदयात्रा की। सोनिया कर्नाटक के मांड्या जिले में पदयात्रा में शामिल होकर करीब एक किलोमीटर तक चलीं। वह पहली बार इस यात्रा में शामिल हुईं। पदयात्रा के दौरान सोनिया गांधी के जूते का फीता खुल गया जिसे राहुल गांधी ने बांधा। कांग्रेस ने यह तस्वीर ट्विटर पर शेयर की।

सोनिया और राहुल गांधी के साथ कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी.के.शिवकुमार, कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला और कई अन्य नेता भी इस यात्रा में शामिल हुए। पदयात्रा के रास्ते में दोनों तरफ बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। राहुल गांधी ने जगह-जगह लोगों से मुलाकात की। सोनिया का कर्नाटक विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले मांड्या में पदयात्रा करना इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि यह देवगौड़ा परिवार के प्रभाव वाला क्षेत्र माना जाता है।

कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा, "यह ऐतिहासिक क्षण है कि सोनिया गांधी इस यात्रा में शामिल हुई हैं। इससे पार्टी कर्नाटक में और मजबूत होगी।" पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, "सोनिया गांधी के इस यात्रा में शामिल होने से आज लोगों का उत्साह और बढ़ गया है। कर्नाटक में जनता की बहुत ही सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।" उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी इस यात्रा की सफलता से घबराई हुई है और इसलिए वह झूठ फैला रही है।

राहुल गांधी और कांग्रेस के कई अन्य नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने गत सात सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से 'भारत जोड़ो यात्रा' की शुरुआत की थी। इन दिनों यह यात्रा कर्नाटक में है। यात्रा का समापन अगले साल की शुरुआत में कश्मीर में होगा। इस यात्रा में कुल 3,570 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। पार्टी ने राहुल समेत उन 119 नेताओं को "भारत यात्री" नाम दिया है जो पदयात्रा करते हुए कश्मीर तक जाएंगे। ये लोग 3,570 किलोमीटर की निर्धारित दूरी तय करेंगे। कांग्रेस का मानना है कि यह यात्रा उसके लिए संजीवनी का काम करेगी।

सोनिया दो...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रमेश ने ट्वीट किया कि उनके कार्यक्रम के अनुसार, उन्हें केवल 30 मिनट पैदल चलना था, लेकिन जन समर्थन से उत्साहित होकर हमारे संकल्प को मजबूत करने के लिए वे दो घंटे तक हमारे साथ पद यात्रा में रहीं। राहुल ने अपने फेसबुक पोस्ट तथा ए.आई.सी.सी. महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक ट्वीट में, पूरी ताकत के साथ आगे बढ़ने के लिये देश को संगठित करने के उद्देश्य से आयोजित इस यात्रा में अपनी माँ की शिरकत को दर्शाया।

किश्त बकाया होने पर वाहन को जबरन उठाया

■ **लोक अदालत ने ए.यू. स्मॉल बैंक पर इस हरकत के लिए 70 हजार रू. का जुर्माना लगाया तथा किश्त से ज्यादा वसूली गई राशि को मय ब्याज लौटाने के आदेश दिए।**

जयपुर, 6 अक्टूबर (का.सं.)। जिले की स्थाई लोक अदालत ने ईसीएस डिफॉल्ट और उसके कारण लोन की किस्त बकाया होने पर वाहन को आठ दिन तक जबरन कब्जे में रखने पर एयू स्मॉल बैंक पर 70 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। इसके साथ ही अदालत ने किस्त राशि से ज्यादा वसूली राशि सात फीसदी ब्याज सहित लौटाने के आदेश दिए हैं। अदालत के अध्यक्ष हरविन्दर सिंह व सदस्य दीपक चाचान ने यह आदेश प्रकाश चन्द सैनी के प्रार्थना पत्र पर दिया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि केवल एक किस्त बकाया होने पर बलपूर्वक की गई कार्रवाई गुंडागर्दी का ही दूसरा रूप है। इसके कारण परिवादी को आठ दिनों तक बिना वाहन के रहना पड़ा। कोर्ट ने कहा कि बैंक की ओर से की गई यह कार्रवाई आरबीआई और सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों की भी अवहेलना है।

परिवाद में कहा गया कि परिवादी ने विपक्षी बैंक से चार लाख 85 हजार रुपए का लोन लेकर तीस सितंबर 2014 को चौपहिया वाहन खरीदा था। इस दौरान बैंक ने फरवरी 2017 की एक किस्त पेंडिंग रखी और इसकी जानकारी परिवादी को नहीं दी। वहीं बैंक ने नौ जनवरी 2019 को परिवादी से जबरन वाहन छीन लिया और 44 हजार रुपए जमा करवाने के बाद ही वाहन छोड़ा। इसे स्थाई लोक अदालत में चुनौती देते हुए कहा कि नियमानुसार फाइनेंस कंपनी द्वारा वाहन को जब्त करने से पहले परिवादी को 60 दिन का नोटिस देना जरूरी है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के पालन में आरबीआई ने भी एक जुलाई 2006 को गाइडलाइन जारी कर फाइनेंस कंपनियों को वाहनों पर बकाया लोन की किस्तों के संबंध में निर्देश जारी किए थे। उसमें भी वाहन की जब्ती से पहले साठ दिन के नोटिस की बाध्यता थी।

"नामी" आर्किटैक्ट अनूप बरतरिया के आवास और कार्यालय पर ई.डी. के छापे

गुरूवार सुबह से शुरू हुई कार्यवाही देर रात तक जारी

■ **राज्य सरकार के कई बड़े प्रोजैक्ट की डिज़ाइन का काम अनूप को ही सौंपा गया है।**

जयपुर, 6 अक्टूबर (का.प्र.)। राजधानी जयपुर में गुरुवार सुबह नामी आर्किटेक्ट अनूप बरतरिया के कई ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की है। सूत्रों के अनुसार दिल्ली से आई ई.डी. की टीम के साथ आठ अधिकारियों सहित अन्य कर्मचारियों की टीमों ने गुरुवार सुबह 9 बजे से अनूप बरतरिया शहर के अलग-अलग ठिकानों पर कार्रवाई कर रही है।

अनूप बरतरिया जयपुर के प्रतिष्ठित वर्ल्ड ट्रेड पार्क सहित अन्य कई कंपनियों के ग्रुप से जुड़े हुए हैं। ईडी की टीमें इनके गोपालपुरा स्थित आवास सहित अन्य ठिकानों पर छापेमारी कर पूछताछ व जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार अनूप के साथ ही उनके भाई वीरेंद्र से जुड़े हुए ठिकानों पर भी ईडी की टीम की ओर से कार्रवाई को अंजाम दिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि, वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत के चलते ई.डी. की ओर से यह कार्रवाई की जा रही है।

हालांकि ईडी ने प्रकरण किस संदर्भ में दर्ज किया है, अभी इसका खुलासा नहीं किया गया है। सुबह से कार्रवाई देर रात तक लगातार जारी रही और ई.डी. की टीम अनूप के मकान, दफ्तर व अन्य ठिकानों पर मौजूद रही। कार्रवाई के दौरान बाहर के किसी भी व्यक्ति को अनूप के घर, आवास व अन्य ठिकानों पर प्रवेश नहीं दिया जा रहा है।

बता दें कि, अनूप बरतरिया राजस्थान सरकार के कई बड़े प्रोजेक्ट्स को देख रहे हैं। जिनमें कोटा नगर विकास न्यास स्मार्ट सिटी की तरफ से करवाए जा रहे हजारों करोड़ रुपए के कार्यों के वे आर्किटेक्ट हैं। कोटा में चंबल नदी पर बन रहे 1000 करोड़ के हैरिटेज रिवरफ्रंट, 100 करोड़ के कोटा सिटी पार्क ऑक्सीजोन, एरोड्रम सर्किल, घोड़े वाले बाबा चौराहा, विवेकानंद सर्किल, सुभाष लाइब्रेरी, गवर्नमेंट कॉलेज बिल्डिंग, अंटाघर चौराहा, गोबरिया बावड़ी, अनंतपुरा व इंदिरा गांधी फ्लाईओवर जयपुर गोल्डन और मल्टीपरपज पार्किंग की डिजाइन भी अनूप बरतरिया ने की है। साथ ही महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल और जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा, महाराणा प्रताप चौराहे पर घूमता हुआ फ्लाईओवर, किशोर सागर तालाब में पानी के बीच में घोड़े लगाना, सालीम सिंह की हवेली, सीबी गार्डन का डेवलपमेंट सहित कई कार्यों की भी डिजाइन भी बरतरिया की है।

ई.डी. की टीम ने मशहूर आर्किटैक्ट अनूप बरतरिया आवास और ठिकानों पर एक साथ छापे मारे।

कोटा में चल रहे इस वक्त के कई बड़े प्रोजेक्ट्स की डिजाइनिंग का काम यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के निर्देशन में अनूप बरतरिया कर रहे हैं। कोटा शहर के एमबीएस और जेके लोन अस्पताल में हेरिटेज और ओपीडी आईपीडी की बिल्डिंग का भी कार्य वही संभाल रहे हैं।

एमबीएस अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग की फसाड़ लाइट को बदलने का कार्य भी बरतरिया की आर्किटेक्ट डिजाइन पर हो रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि ई.डी. विभिन्न मामलों में उनसे पूछताछ कर सकती है।

रुपया और खस्ताहाल हुआ

मुंबई, 6 अक्टूबर (वार्ता) । दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के मजबूत होने तथा डॉलर की मांग आने के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 55 पैसे फिसलकर अब तक रिकॉर्ड निचले स्तर 82.17 रुपये प्रति डॉलर पर लढ़क गया। रुपया पिछले सत्र में 81.62 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज 10 पैसे की मजबूती लेकर 81.52 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान यह 81.51 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर तक चढ़ा लेकिन इसी दौरान डॉलर की मांग आने से यह 82.17 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक टूटा और यही इसका दिवस का निचला स्तर भी रहा। शेयर बाजार में रही मामूली तेजी से भी रुपये को बल नहीं मिल सका और यह अब तक रिकॉर्ड निचले स्तर पर लुढ़क गया।

■ **भारतीय रुपया गुरुवार को 55 पैसे फिसलकर अब तक रिकॉर्ड निचले स्तर 82.17 रुपये प्रति डॉलर पर लुढ़क गया।**

ताईवान में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"पॉक्यूपाइन" का रूप दिया जा सके।

"न्यूयॉर्क टाइम्स" के अनुसार, चीन की नौ सेना तथा वायु सेना की अगस्त में हुई कवायद से यह जाहिर हो गया था कि चीन ताईवान पर हमला करने से पहले, संभवत: उसके रास्ते ही अवरूद्ध कर देगा तथा लोकतांत्रिक रूप से शासित यह द्वीप तब तक केवल अपने ऊपर ही निर्भर रहने को मजबूर हो जायेगा, जब तक अमेरिका तथा अन्य देश वहाँ दखलंदाजी का निर्णय लेंगे या दखलंदाजी करेंगे। चूँकि अपेक्षाकृत छोटे एवं युद्धाभ्यास वाला हथियार-तंत्र ताईवान की सहनशक्ति के लिहाज से संकटपूर्ण सिद्ध हो सकते हैं, इसलिये अमेरिकन अधिकारी चुपचाप ही ताईवान के अधिकारियों को प्रेरित कर रहे हैं कि वे और ज्यादा हथियारों के "ऑर्डर" दें। ऐसे बहुत से हथियार, जो ताईवान की सुरक्षा को संबल दे सकते थे, इस समय यूक्रेन जा रहे हैं तथा हथियार-निर्माता कंपनियाँ यह नहीं चाहती हैं कि दीर्घकालीन ऑडरों के बिना, वे नई उत्पादन व्यवस्था स्थापित करें। चीन लम्बे समय पर ताईवान पर कब्जा करने की कोशिश में है क्योंकि वह ताईवान को अपना ही भू भाग मानता है तथा अमेरिका ने, बीजिंग को नाराज किये बिना, इस द्वीप की मदद करने का काम किया है। राष्ट्रपति बाइडन न पिछले महीने कहा था कि अमेरिका ताईवान की आज़ादी को "प्रोत्साहित नहीं कर रहा", लेकिन उन्होंने यह भी कहा था कि अगर चीन आक्रमण करता है तो अमेरिका उसकी रक्षा करेगा।

बाइडन सरकार ने पिछले महीने यह घोषणा की थी कि उसने ताईवान को 1.1 अरब डॉलर के हथियार बेचने की स्वीकृति दे दी है। अमेरिका के अधिकारी इस बिन्दु पर चर्चा कर रहे हैं कि इस बिक्री एवं सप्लाई प्रक्रिया को किस तरह क्रियान्वित करें। चीनी अवरोध के बीच होकर हथियारों की सप्लाई से चीन और अमेरिका के बीच टकराव शुरु होने का जोखिम रहेगा।

गोवा फिल्म...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फिल्म-निर्माताओं, अभिनेताओं, टैक्नीशियनों, समीक्षकों तथा फिल्मों के शास्त्रीय विद्वानों के साथ संवाद कर सकें।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय तथा गोवा सरकार की "एन्टरटेनमेन्ट सोसायटी ऑफ गोवा" के संयुक्त तत्वावधान में प्रति वर्ष आयोजित होने वाले इस समारोह में मास्टर क्लासेज़ पैनल -डिस्कशन, सेमिनार तथा अन्य अनेक प्रकार के संवाद सम्बंधी आयोजन होंगे।

एक सरकारी घोषणा में कहा गया है कि दिल्ली का प्रैस इन्फॉर्मेशन व्यूरो मीडियाकर्मियों की मान्यता सम्बंधी प्रक्रिया को अंजाम देगा, जो यह तय करेगा कि किस प्रकार के किस-किस मीडिया के कितने लोग इसमें शामिल हो सकेंगे। यह निर्णय उनके आवर्तन, वितरण, श्रोता तथा पहुंच, इसके द्वारा सिनेमा को दिये जाने वाले महत्व तथा आई.एफ.एफ.आई. की अपेक्षित मीडिया कवरेज के आधार पर होगा।

थाइलैण्ड में गोलीबारी में 24 बच्चों समेत 36 लोगों की मौत

बैंकॉक, 6 अक्टूबर (वार्ता/शिन्हुआ)। थाईलैण्ड के नोंग बुआ लाम्फू प्रांत में गुरुवार को एक चाइल्ड केयर सेंटर में गोलीबारी में 24 बच्चों समेत कम से कम 36 लोगों की मौत हो गयी। प्रांतीय जनसंपर्क विभाग के फेसबुक पेज पर जारी पोस्ट के मुताबिक मृतकों में 24 बच्चे और 12 वयस्क शामिल हैं। वहीं 12 अन्य लोगों के घायल होने की रिपोर्टें हैं।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12:40 बजे हुई। कथित पूर्व पुलिस अधिकारी रहे हमलावर ने गोलीबारी के बाद अपने परिवार के सदस्यों की हत्या कर दी और फिर खुद को गोली मार ली।

टेलीविजन की फुटेज में एंबुलेंस और पीड़ितों के परिवार को चाइल्ड केयर सेंटर के बाहर एकत्र होते दिखायी दे रहे हैं। थाईलैंड के प्रधानमंत्री प्रयुत चान-ओ-चा ने अपने फेसबुक अकाउंट पर लिखा, मैं मृतकों और घायलों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। राष्ट्रीय पुलिस प्रमुख को घटना की जांच में तेजी लाने के आदेश दिये गये हैं। चाइल्ड केयर सेंटर में काम करने वाली एक महिला ने एक स्थानीय टेलीविजन चैनल को बताया कि वे दोपहर का भोजन कर रहे थे तभी उसने आवाज सुनी और घायलों को जमीन पर गिरते देखा।

उदित राज...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने आगे ट्वीट किया कि दलित समुदाय और ऐतिहासिक रूप से वंचित आदिवासी वर्ग के उनके जैसे लोगों का कर्तव्य है कि राष्ट्रपति मुर्मू से यह प्रश्न करें कि "जब एस.सी. और एस.टी. के लोग उच्च पद पर पहुंच जाते हैं तो वे अपने खुद के समुदायों को ही त्यागकर क्यों मौन धारण कर लेते हैं।" भाजपा के संबित पात्रा ने उदित राज की "चमचागिरी" वाली टिप्पणियों को "अभद्र, खेदजनक और चिन्ताजनक करार दिया। पात्रा ने एक ट्वीट में कहा कि "यह पहला मौका नहीं है जब कांग्रेस पार्टी ने राष्ट्रपति के लिए इस प्रकार के शब्दों का चयन किया है। उन्होंने कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी का हवाला दिया जिन्होंने उन्हें "राष्ट्रपत्नी" कहा था और इस कथित लिंग भेद टिप्पणी के कारण उन्होंने माफी भी मांगी थी। पात्रा ने कांग्रेस से क्षमा मांगने की मांग की। पूर्व भाजपा सांसद वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों से पूर्व अपनी पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

धर्मेन्द्र राठौड़ की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिये गये फैसलों के विपरीत आर.टी.डी.सी. स्वयं ही इस ट्रेन का संचालन करेगी।

उल्लेखनीय है कि ट्रेन के संचालन से प्राप्त राजस्व को भारतीय रेलवे और आर.टी.डी.सी. के बीच 56:44 के अनुपात में बांटा जाता है। इस वर्ष आर.टी.डी.सी. ने ट्रेन को चलाने के लिये भारतीय रेलवे को पांच करोड़ बकाया भुगतान किया है, जबकि 28 करोड़ अभी और देना है।

उल्लेखनीय है कि जब 27 अगस्त को कैबिनेट बैठक हुई थी तब मीडिया में कहा गया था कि ट्रेन को चलाने के लिये जल्द ही प्राइवेट पार्टियों को आमंत्रित किया जायेगा, जो कि अब तक नहीं हुआ है।

हैरानी की बात यह भी है 28 सितम्बर को आर.टी.डी.सी. के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में प्रबंध निदेशक ने पैलेस ऑन व्हील्स को निगम द्वारा संचालन के संबंध में प्रस्ताव भी पेश किया गया।

परंतु इस प्रस्ताव को बोर्ड के मैम्बर तथा पर्यटन विभाग, वन विभाग और रोडवेज के प्रतिनिधियों ने खारिज कर दिया। क्योंकि इससे पर्यटन विभाग को राजस्व में काफी हानि उठानी पड़ती।

सूत्रों के अनुसार इस बोर्ड मीटिंग में पर्यटन विभाग की ओर से आर.टी.डी.सी. के प्रस्ताव की आलोचना की गई थी कि इससे पर्यटन विभाग को हर वर्ष राजस्व की हानि होगी, साथ ही निगम के संचालन से हुई राजस्व में हानि की भरपाई कैसे होगी, इस पर भी कोई गणना नहीं की गई थी।

पर्यटन विभाग तथा अन्य अफसरों द्वारा यह भी कहा गया कि करोना काल के दौरान जब ट्रेन को बंद किया गया था तब आर.टी.डी.सी. द्वारा ट्रेन का टिकट बेचने वाली कई जनरल सेल्स एजेंसीज (जी.एस.ए.) को भारी मुआवजा दिया गया था, इसलिये इन विभागों को आशंका थी कि जी.एस.ए. अपने रिफंड वाउचर (मुआवजे के बाउचर) का इस्तेमाल कर मुफ्त में टिकट लेंगी और भारी मुनाफा कमाएंगी। उल्लेखनीय है कि पैलेस ऑन व्हील्स का एक टिकट 40 हजार से 55 रु. हजार का होता है।

सूत्रों का कहना है कि अगर अभी तक निजी पार्टी को निविदा के तहत आमंत्रित कर लिया गया होता तो इस ट्रेन का संचालन बेहतर तरीके से हो सकता था और जी.एस.ए.द्वारा मुफ्त टिकट लिये जाने की स्थिति से बेहतर ढंग से निपटा जा सकता था। क्योंकि कोई भी निजी कंपनी रिफंड वाउचर की शर्तों को बारीकी से जांच करके ही जारी करती हैं, ताकि कंपनी को घाटा नहीं हो।

काफी संतुष्ट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कम वोट मिले। तथा हाई कमान ने हरदेव जोशी को मु.मंत्री नियुक्त किया।

इस बार पायलट की जयपुर यात्रा का ध्येय था, जयपुर में अधिकांश विधायकों से सम्पर्क करके, परोक्ष/सीधे तरीके से उनकी मन की चॉइस जानना तथा सबको यह साफ जता देना कि, हाई कमान क्या चाहता है और इस डिज़ायर का सत्यापन, विधायक कैसे कर सकते हैं। यह काम वन-टु-वन वार्तालाप में ही हो सकता है और यह गोल पायलट ने अच्छी तरह हासिल कर लिया।

पायलट की जयपुर यात्रा का दूसरा ध्येय था, गहलोत के कट्टर समर्थक, जिनकी संख्या पन्द्रह से बीस तक मानी जाती है, में विश्वास उत्पन्न करना कि, पायलट इन लोगों के खिलाफ बदले की भावना से काम नहीं करेंगे। प्रताप सिंह खाचरियावास के निवास पर जाकर, बहु प्रचारित वार्ता करना इसी क्रम में उठाया गया कदम था और इस मकसद में पायलट सफल हुए, क्योंकि, इस मुलाकात की प्रतिध्वनि अभी तक हो रही है, गहलोत समर्थकों में।

36 सैटलाइट्स एक साथ लाँच करेगा इसरो

ये सभी सैटलाइट्स ब्रिटेन की स्पेस एजेंसी वन वैब के हैं

■ **इसरो की इस महीने के तीसरे या अंतिम सप्ताह में यह कार्य पूरा करने की योजना है।**

■ **इसरो ने इसके लिए यूनाइटेड किंगडम और ऑन-बोर्ड वनवेब लियो के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किये है।**

चेन्नई, अक्टूबर (वार्ता)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ब्रिटेन स्थित वन वेब के 36 उपग्रहों के प्रक्षेपण की तैयारी में जुटा है तथा इस काम के लिए इसरों अपने सबसे भारी रॉकेट जी.एस.एल.वी.-एम.के. 3 का उपयोग करेगा और इसी महीने के तीसरे या चौथे सप्ताह में श्रीहरीकोटा के एस.एच.ए.आर. से इन्हे प्रक्षेपित कर दिया जायेगा। इसरो ने गुरुवार को यहां जारी बयान में कहा कि यह भारतीय अंतरिक्ष एजेन्सी के लिए पूर्णरुप से व्यवसायिक उड़ान होगी। प्रक्षेपण के लिए तीन चरणों का एकीकृत जिसमें ठोस, तरल और क्रायोजेनिक इंजन द्वारा संचालित रॉकेट तैयार किया जा रहा है।

बयान में कहा गया है कि सतीश धवन अंतरिक्ष में दूसरे लॉन्च पैड पर दो सॉलिड स्ट्रैप-ऑन बूस्टर और एल.वी.एम. 3 का तरल कोर एकीकृत स्टेज तैयार कर लिया गया है। शेष गतिविधियों के लिए सफलता-उन्मुख कार्यक्रम के आधार पर, इनका प्रक्षेपण अक्टूबर के तीसरे या चौथे सप्ताह में किया जा सकता है।

द न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एन.एस.आई.एल.), अंतरिक्ष विभाग के तहत एक सी.पी.एस.ई. और इसरो की वाणिज्यिक शाखा ने दो प्रक्षेपण सेवा अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं।

वहीं इसरो के सबसे भारी प्रक्षेपण वाहन एल.वी.एम. 3 से ब्रॉडबैंड संचार उपग्रह लॉन्च करने के लिए मैसर्स नेटवर्क एक्सेस एसोसिएटेड लिमिटेड (मैसर्स वनवेब), यूनाइटेड किंगडम और ऑन-बोर्ड वनवेब लियो के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किये गये है।

उत्तराखण्ड में पाँच पर्वतारोहियों की मौत

उत्तरकाशी/देहरादून, 6 अक्टूबर (वार्ता)। उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी जनपद में समुद्र तल से लगभग 17000 फुट की ऊंचाई पर हिमस्खलन में फंसे पर्वतारोही प्रशिक्षुओं (माउंटटेनर ट्रेनीज) और प्रशिक्षकों (ट्रेनर्स) में से पांच के शव गुरुवार को बरामद कर लिए गए।

बरामद शवों में से दो की पहचान नेहरू पर्वतारोही संस्थान (एन.आई.एम.), उत्तरकाशी के महिला ट्रेनर्स के रूप में हुयी है। शेष प्रशिक्षणार्थीयों की पहचान नहीं हो पायी है। उक्त सभी शव एडवांस बैस केम्प के पास है। शेष अन्य 20 लापता प्रशिक्षणार्थी का रेस्क्यू टीमों द्वारा खोज-बचाव अभियान जारी है। वर्तमान में उक्त क्षेत्र में हल्की बर्फवारी हो रही है। अभी तक कुल नौ शव बरामद हुये है।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को एन.आई.एम. के एडवांस कोर्स न.-172 के 34 पर्वतारोही प्रशिक्षुओं एवं सात प्रशिक्षकों का द्रोपदी के डण्डा - दो पर्वत (ऊँचाई 5670 मीटर) में समिट/आरोहण के दौरान, वापस आते समय लगभग 17000 फीट की ऊँचाई के आस-पास हिस्खलन होने के कारण फंस गए। फंसे/लापता लोगों का एयरफोर्स, प्राइवेट हैलीकॉप्टर एवं भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आई.टी.बी.पी.), 11 जे.के.एल.आई., सेना, हर्षिल, राज्य आपदा मोचन बल (एस.डी.आर.एफ.), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एन.डी.आर.एफ.) एवं एन.आई.एम. के अन्य प्रशिक्षकों तथा सदस्यों के सहयोग से खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

महेश जोशी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ज्योतिष के हिसाब से भी गहलोत से कहा गया है कि यदि वह 23 अक्टूबर तक अपनी कुर्सी बचा लेंगे तो फिर आगे भी वही मुख्यमंत्री बने रहेंगे, अन्यथा उन्हें जाना ही होगा।

माहौल में फिर से राजनीतिक सक्रियता लाने के लिए सोनिया गांधी के कर्नाटक से लौटने की प्रतीक्षा है।

गहलोत इस सप्ताहांत होने जा रहे इन्वैस्टमैंट समिट की मदद से आखिरी दम तक स्वयं को हटाए जाने की कवायद में विलम्ब करना चाहते हैं।

सोनिया अपने कर्नाटक दौरे से वापसी के बाद जैसे ही सक्रिय होंगी, उनके और राहुल गांधी के वार्तालापों के परिणाम के स्पष्ट होने की उम्मीद है।

के.सी. वेणुगोपाल कई बार कह चुके हैं कि राजस्थान में विधायक दल की बैठक आयोजित की जाएगी और उसमें पर्यवेक्षकों को एक लाइन का प्रस्ताव लेने के लिए भेजा जाएगा, जिसमें नए मुख्यमंत्री का निर्णय करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष को अधिकृत किया जाएगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908